TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4378**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥ दूहा ॥ अथ अंजना सती रो रास लख्यते ॥ पहिली केवल वाणी वखाणसुं ॥ सब दुख तजनै तन हेत करम
का यत न का पसुं ॥ हरेपर मे वधाय नो अंजना सुं हेत ॥ रास सहु मती अंजना ॥ दान दया गुण सील संतोष निरह
गा व ली यव य राग ग्यो ॥ संजम ग्रही ने पामी सुरलोक ॥ २ ॥ सती अंजना रास मला गा ॥ ३ ॥ वसंत नियासर लय ताम ॥ ना
म होन लिव ना मसय जे ॥ एहनो नाटक राते सब दुख जाय ॥ ३ ॥ तो ॥ [illegible] सुंदरी बांचिये रानारो किय नतेरी रिसु
रे ॥ वाल पणे न य नैयद्र यकामने तोम न नखिया जेरे ॥ सतरिव दुसरे लोचनो ॥ मेघसेन नायसिनि छर नार ॥ अंजनजय
तीरे मी ताव लो ॥ तारा नेत्रु कोरे सोळ सिणगार ॥ तो ॥ ४ ॥ चौसठ हजार कुमारिका ॥ एकावन कुंया रनि गणु सोयाय जा
दवा ओन जांगली करी ॥ इसिकाद हन ट्वीलय वन जाय ॥ हरतणा अंग नानं हुवे ॥ जीण राग जोहामन धर्म रो विराग
राज मती माय पुजाछै ॥ एवा घोर संसार नो काओ सोग ॥ तो ॥ ४ ॥ वेरन वालि काल्हि रजानायेर जीण अहार द मम हा
वार ॥ वाल कुवा री साधवी ॥ अएा सदा मामी यामा लवहार ॥ देह दवद तीरे दुख सत्तो ॥ हवे सतारा तेर हिव
न वास ॥ माता माद लसा बदाये ते तो कवन तारी ॥ शिव सुर जाये ॥ तो ॥ ५ ॥ मयणरी हो वती सुदरी ॥ जेणी नयण का दीदाय
राखी प्या सील ॥ वयेम राज हो ने ताय गई ॥ मेल हिमंदोवरी लंकनो लाल ॥ सील ग्रय देस प्राप्त करी ॥ हिव तु जइक
था वे अनेक ॥ तेव्ह मत्रिसा धवी ॥ सूडी अंजना नाग गुणकहि सुरे एक ॥ तो ॥ ६ ॥ अरे वन सरा उजोर वीयामलो ॥ जिनवा
रेग सदा सत्या ॥ वसि श्रु विजिसिण नर ॥ कवि जन रामप्रकास जो ॥ अरे दूर कालिम मति कुमारसा तिहां सा
जपक रे राजु लजंगमाल ॥ अंजनानागुण सा सत्ती ॥ एक पा अपरि अनघ गुणवाल ॥ चितव सीरे गरा य सहीत ॥ वलि रपूवे
ति णवार ॥ कवि जन रामप्रकास जो ॥ अरदूर लागेजो अतिव कुमार ॥ तो ॥ ७ ॥ कहे महिंद पुरी जगजा णीये राजो हे
महिंद्र वसे ति णठाम ॥ तसघर राणी बैस्टाडी ॥ मानवे गाम सामती घरे नार ॥ सत्र सो राजा रे नारमला ॥ रूप रूडा नंद
सनि काम ॥ ते कुडे जाइ रेपु त्रीका ॥ अंजना सुन रीतह नो नाम ॥ तो ॥ ८ ॥ बाप ने बाजरी पुत्रिका ॥ माता ने जीव थकाय
गुणे राय ॥ वधतं मोहिच जैहनडी ॥ नामकी लकु लिय सुणरतणि लीह ॥ सर्व बिद्या तणी सुंदरी ॥ चाल ताम्हल जैगजगा
तीगेला ॥ सांज न सहु ने सुहामणी ॥ दिन रवाहे जिम सोजनी वेल ॥ ९ ॥ तो ॥ राय प्रभाने ते जा वारा हिवे अंजनावरतरो

1

२
अंजणा
१

कारेरे विचार। एक कहै रांवणादी जीयो। ताकुं कहै। बाजो केहे राजा ये मेरो कुमार। विद्याधर तं ... रु ... जो
वनस्त्री एतो साधे जो जोग। त्यारे कत्या ने दुख कुवे अलघयो। सरीर ने उपजे अतिसे ताप। तो॰ १० रतनपुरी केरो रा
जीयो। राय प्रह्लाद विद्याधर नाण। तसकर कुमर वेदीपतो। पवनजी लगु की श्रीयर माण। अंजना नाम गुण विसरो
दे सखि दिस का भीने विष्यात। पवनजय मित्र ने हर मकहे। आये रूप फेराने जोय वारे जाय। तो॰ ११ हिवे पवनजी का
गोरे निरखवा। मित्र तीवो घातिर चिरे हे। निरखता हे प्रुपुं मिलहा। सेतो नारन दी होरिर विलसि दे। दे रमणजा
लि देवगना। बोलती वो खेले सुललित वाण। चंपक वरणी ने चाउरा। नयण दीसे जाणे मयणना बाण। तो॰ १२
किडा मी हास ने अंजना। बकु यासे ना रिना सो हे बेधुं द। वसू ... रण ... रुक्त तबकी। नारि कां नाहे जाम पुनमचंद
वसंत माला इम उचरे। बार जोग जोगि मिलाइ ए संसार। जे हवो पवनजी जो पायि। ते हवो पामी ते अंजना नारि। तो॰ १३
ना मयी इम उचरे। यहि ... वर मनचीत मोजे दे। तहवो पवनजी वर नही। वर स ... सोय। ए वे
इ दो मन जोड़ सी। वर सवा वासमे राम सीमोय। लिए कर ... नाहीवर जीयो। कम्पाने वर तणो छक बोइ उस तो॰ १४। अंजना
एक दूजु वरे। बाह ... तेन रनो ... वे तार। करम का मात णो काप से। ... मारे। पाछवे हुते
अंजना। बक रजो दिन ... सुहे सोम। पवनजय की यह ... हदे। मन मारे ... अति घणी रीस। तो॰ १५ पवनजे काये
रे परुजले। ... साथ ... बाप रा अनपुण ... पुरस ... करे रे बाघा ए मित्र आवीने कहि
... ना राने पुरष न पाते रे घाव। पवन सामी करी डील ... जुर ते घात तेमारि गजा यू। तो॰ १६ पवनजय मनमांस्याजी
... रूप ... रण विज्ञाल। मैं ने मिलीए तो ... पती। ते न बोवो मही ... नां। पुरव पुन्या रा सु मनरमे
पवनजी चितवे सुरे अपाय। मैं जो तो एहने वरघणो। मर ... परह रूतो ... तो॰ १७ लगन तणो दिन आवीयो।
ढोल दमामा ने शुभ हरे निछ्रा ए। रागिराज ... मिलाया। ... जोला। माहि दरा जा सा मो ... आवीये
पवनजी देखीने ... स्थाय। ... ने जण भाव नर जो पवारि जायते। तो॰ १८ तोरण वर ... आवीयो
अंजणा अपरह सो रे ... सतलता सिर ... चढ़े नाम ... सिर चढ़े रे ताज। धवल मंगल ... गोरडी पूरवण
१

सासु निकरि वाय। वरने निसास ... जेणे करे वर सालाले इजाय तो॰ १९ रूप तणो मंक ... सोना नाकले
स सोनात एविहे सो वनैया ... अंजना पवनजय ... अंतर पुरु ... ने एल ... विद्याधरी ना
रि। साथ मे लावी ती ... जाण कर ... श्रृंगार। तो॰ २० परणीने परतब ... करे रे ... अंजना लाल। गरव
आप्या ... जा ... रंग मा दसे विद्धित। ... तीहे आया या। आया वे ... तणी ... कोई। वेसतमाल
रे ... नारतली ... जोड़े। तो॰ २१ रतनपुरी ती ... अंजना
... पुजा करी। सफल मनोरथ मुज ... ता ... जीयो। आप ... भोज ...
... मरा जो दी ... पवन ... तो॰ २२ माहर ... बाजे सुख ... करसो ... करो
सा वा नहु ... कतामई ... तिए। ... जमोक ... जेव। ... हारा ... सी ... ते
ने ... अक ... तो॰ २३ ... अंजना ने कहा ते वात। जे तुं ने ...
... जय। ... अंजना ... सुख ... करी ... नर ...
... ताल ... कर ... तो॰ २४ अंजना ... बीड ... मालो। पवनजी ... राजा ... आव ... जा ...
... तिम ... माहि। पवनजी ... पर जले। अंजना ... प्रीत। ... नारनि ...
... करी ... सील तो॰ २५ ... करे गय राजा ... राजा ... पुत्र। अंजना ... सुख ...
हने सुपा ... मोटा रे ... तणा ... नी। राजा ... राजा ... अंजना ... राजा ... इम कहे कि ते
समाय ... तो॰ २६ ... आप ... वार। अंजना कहे ने ... ए। मुनि ...
... ओवार। ... तीय ... तुम ... तेल। सामी ... ने मो ने न ही ... वाने सुक ... वात
तो॰ २७ वारे ... सह ... एक ... रावण ... करे। मा ... हे ... ते ...
... गज ... नारे। पा ... रतनागर ... सेर। सुर रे सु ... सि ... जोम ... तो॰ २८
ते ... एक ते ... वा ... काज। ... पवनजी ... काज।
... सा लोइ संचरि ... करि मारे ... नम ... तो ... ते ... करो। सुम जा यात ... तो॰ २९ पव
२

२
अंजणाचो॰
२

जी चाले रे कुर कमै। सोमन का धीरे अमत एम सार। कुर घर का पाप लागसुं। हिवे जावक जावजोइ एकवार। वसंतमाह
वहेनडी मिव सुखसाखदी नपु जदेव। दहामका बार उसीकरी। मारगमाहि उत्तीर हो देव तो॰ ३० कनक कचोली दही
नरी। हिवे सुकन मिसे मारू रोले इजाम। जामआ लाजो वाद सी। त्यारे नमण करी तीहां लागस्यो पाय। जाणे सेन्द्र अंजना
नारू री। राज सव ने माहिदेपसा लोक। ज्या लगे सामी आवि नेही। त्या लग मनमा दिकर स्यामनोय तो॰ ३१ गय देव साद
लसथरी। मातयी ताने हीन मेजी सीस। सुजनसकुर सतो थीया। अंजणा उपरे अतघण रोस। हुरख कीनेहि हियडा
नवरचिता रानेको वौरे अतला। पुत्रनी जियारे ताजी सी रचिता राने अपुमान अनाम। तो॰ ३२ मित्र कहि न दारपुत
ना। नीतेउठाणारे अंजना सीय। सारु लजु मर राता हुं को मो ने मारग जाता सामी मिलीवे अन। दुरडै सोन अघाय
मारग चाले बैसमन हयतेतीय। वसंत माला मोडे करडुका। सुरखई सेवे लुमहल लोकंत तो॰ ३३ उपल घातउताक
रा वार जालाने गाढ घरिमाहि। कटक सजेरे राव रणतया। तेतसुदो त्रेचडि माहरु नाह। जीवते जाय मजत घली पात
वे माहरे लग्रहणाया। गहिवरिया जलदी जोयि। कटक जीता काई दाखे रे सराय। तो॰ ३४। अंजणा कहे सुणसुंदरी
का घवकोरे हासमर वृजयनो अज। या तोय मिकरे स्यात ली। समय रातिरगढ माहरी कांम। सासु ने सुख किम दायसु घर
वे डाजित तणा नामजयस। जारत्र मनमाहे चिंतवे। समय समनी सजतु लेय। तो॰ ३५ नगर घको दल सबूमा मारिगड
रिकीधरे मेल जाण। चतुरे वाना मति दूरवल वले। व्यापी तो मरने अयोघमरा ताण। पवनजय मित्र ने प्रसकरे। जड़डु रैन्
रनी न वाजे णसाम। सुरथ पात्र रा सुमन रमे। चक्रव्र वाकी तामरि मेजरी छे गाम। तो॰ ३६ मित्र कहे सुणो वानती। रब फोहीय
काई उमनो भरम। माहा सती माहरे वे सुलगी। अरिति निस्सक रतोरे भरमतो भान। मोलम रोव रजीजु लती। दुचते नोराचा
नुकाय एनो घो मोट। सुरस मा भूरा व छे नही। सुगत अमा मीन लीना स्वंछे कोहि। तो॰ ३७ पवनजी मित्र ने बानवे। कटक केजा न
तो नारि मरे जाये। पछे तव जीतो पर उपाह से। मछिय लो मार्ग लजी जे मारहरे बाप। मित्र कहे वा ना जा तू स्या। तेड मेल्याय तो
दोषी वे मोय। जाना करी असे मान स्या। ता लेग कटक तणा करा माप। तो॰ ३८ तेजी कूवन गतिमाहे आवीया। अवीने
अंजनाना कुंडेरे कमाड। वसंत माला लागी ने देइ। व चन उत्ताव लो बाल तोमीयाड। सुरपुर धसे मन पागया। तूरी लोक समाय
माहि वेदस कुरघरे वानतु। तेहतणो कुं तो क उवसु इमा तो॰ ३९ पुरस मन मे त्रीइम उचरे। एक सरो राग वेरूबार २

नो पुत। अंजनाकेरोरे भीर धणी। वेस विराध भर दापक चंद। वसंत माला आवी उलट्यो। नेणे निरखी जेठे आप्रणो सामि
सतीरे मगमाय कजिदालगो। ति बालनि पाई रे तोड़ एहाम। तो॰ ४० तेजु भरम क झाकरी अंजना। अवे ने पवनजी
वोल्ये छे विरहमा। नाह सत भावि तु सुलखी। अहिनिसरूवता जिन तणो धीरे। वचन नरासीम तो नहु दहो। मेठ मरह काम
छे बहीरे अबाध। दाघ जीभणे नामे नामे यतो॰२ अंजनामाहरो अपराध तो॰ ४१ अंजना आवा प्रिय एनमी। एह बेलिह
ल वो लाइ केलो अंगसार। जेहे बाप गत लमा नरा एह बापुरत एणो वधनार। दाघ जेवी नै आग लग्गी। वचन मुखेम
णा वोले दीन। आपू विवाकि मया मयि। पाणी पात्र फरको डाने कमाले मय एम तो॰ ४२ तो जोडि एवाने मति याघर रस्या। हिवे
परम नोजन धसि आनंके। वीजा एवाय होती करी। वाडा बाली २ आपे वेपोन। नाथ कनाचवे नेरा जेन। वाण बायप्रो पजी
सतणा गीत। पवनजी आणंद पामी रस्या। अंजना आवी छे नेहतणो नीत तो॰ ४३ प्रव नयण भूमै आवीया। राय रासनि जण
व उभो जाण। जिम आसपाचे सकु अमतली। पछे वासतो आनंतर तेणा अहिना या। व सत मा लो हो नडीकरी। हिवे अंजनाम
राति ताम सार तन। हातोने जी तसु सुखा वदो। हिवे रात दिवस एहने राय जोतन तो॰ ४४ वसंत मालो तेडीकरी राजा देय
व न जा का भी जु हार। अणकरी नाका आयी या। हिवे काजा मछि तजा वाडे नंजार। परदसमे चनि इसक है। रीए मारे
राय जे राय नाहि रने दे मरय भारत्यो। नाट जो वा जाल्य नमामेर। तो॰ ४५ हिवे साथ केता सुनाचालो ये। हिवे राज
म हे जाधन देयो ल जेम सुभ। पुत्रे सोभावे छे वारुना ना। तेर आगल ठि बेके रवो बुद्धि। तुरजय कटक वाल एनी लोहत
तो नीसा पडेरे अगार। सारी से वात एहवा कर। हवे मरणीन तो पाय एम हीस जी हारि ४६ तीजो मा लय कोरे तहार वणन
पण विपुलो क जल तणी हारि। काडनव चूनकहा कतेनं। मुसदा की ने रोडबको बार। वसंत माला जोवी भीरवे। बाहिरे
व फा अमला छे सामा यक का लेयरि मण देव पुजा कीजे। हवे देनी मसुधकरो रोनु मारा तो॰ ४७ सुहमामाय कुउचरे
हिवे देखु जा करे घडी पवे भार। पंचुपर वी सयउ वरे। बाहे वृत्तमन मानणी आर। सजनी वी होमत वनाकरे। तावना
वारे चिंतमन माहि। माबलिर तहीपे गुली। एणपरे सुमनना ना दिन जाय ४८ जुदर आया नजणीकरी। वेकु जणमा
नाह दान ना सा लसाधवे ला तितसा चवे। उपाय दे हि मानदे वे अपार। नितमात्रने पोषीये। मेरी रमो जेम सव 3

३ अंजनाचो ३

कार। ता ब स लै मन उ ल है दिन रहो सेबे च ह तो इ साथ ५० बोलीयरा जानै वानको। सासुलो मामी मोरा वान तो घा
जे। अंजना करि क्षेत हावला अंग लगे भली नविदी ओ मात। घरि बा हरजातन दी छो। हिबे सामी जो बोरा घर अवदा
त। वे कुय घने दुय सायको। हिबे एव ज ने सांसा मन। आपुतान ५० तो आ मा त म गो मा म्रु कने पालका दे ठा मोरो गोबे यन
आगल वा ते न चा व ता। जा चिक जो ह र आ पे लेसा न। माछेते मसाय अति घणी। सर लेसा है गीत गाये मधुर आम लयो
ताल सो क ला। हिबे सासु व कु मत ले घर जाय ५१ से र भिर सुरत रू पाय स्या आणय रो लागे याय स्या साट फुल
फ ग ब ज य र त सा जो एक मा द री मा सु जो आ व सी चा ट स र मौ र आ वी लो ट ग ने हिबे द र म साटे भ नि द ल ड जाय बे
ती वा वा ल न बो मा क री। तेला करी मासु ना नु र राखे या म तो ० ५२ तो जो या ल ही आ गा ले बा ली च ले। मासु नी न गत दी य
हुइ घ ए लीर। मोव न या र बे सा र नो। च र ल य या ल ने भिधु वे नार। सब सु जा दे इ प्र ट कू मा हिबे मासुरे धीरे र बा
बे ला न। न र इ स ख ती र ख सु ज फ ल मा ल म ता दि वो म्हा करी आज ५३ तो जा व कु नो ने आ दे धी करी। केल मती
ला म न अ से रा म। अ गे न बे ह न ये री दी धा। कर कर न ल री कि स्योरे म रू य। मो हे र कु ल ता गीज य वा न म दी घर
राजु ग न क्षे सार। मा चोरि आ केर सु ज क यो। ता र रे ने घर कोम न कै ज द र विकार। तो ५४ मे ला आ ते ली पा य न मो अ
म र नु मार सुज की भाव सार। विरह ली जा ली प व ल्या। मुघरे आ या घार ब णा म जा र। त्रिल दिव स म्हारे घरे रया
उ म त लो सु न सु ने पु गी अ आस। जिस आ भ ति म या लो व ल्या सेगा करी ना अ सु ज मा त मो मा सा तो ० ५५ तो ० व कु अ
व म ए सुणी करी। क त म ती र भ णा म न धरे रो स। प र रा णा पा छे ला ते य र ह री। अ ज सु ज पुत्र ने का सी र स म द। अ ज
ल गे अ ल मा म ण। हिबे चो र जो रे आ ल ला सु ना र म ल घा य। विला धे र द्रु ध का जो ध र वै। म रा य र सु य का पीर
र जाय तो ५६ तो जा मासु नाव प ए कां ने सुणो। अंजना उ र य भी घ णो दा ध। सुच तु मा रो य बो भ सो हि मे। ला गा न
व सु ने ल्यो घर मा ह। सुम रा मे मासु हो ज म त ए र खी ये ने न ह नी वा र त ची मा ते। व र ए क म न र ग रे र हा। हिबे क
ले के लुइ कि स ही ह र जा बे। तो ० ५७ तो जी के त अ जा रा ली ह ठ न टी। बोकर को भ सु के ला व स सी। आ गा में ज राप
न घर हि रे घु जे न मो स घ ली रा स। अ ति घ णा म जा यो करी। जिहे लग ना ह रे न ग र ली सी। पो ह र ला गो अंजन प ह र म इ ३

तो लागा आ गु य ल ली त लो नी म तो ० ५८ तो ना व सेत मा ला ते डी करो। बाभी छे व य ने ली म हे हि र। लो फ आ न र ए मा रा पु
न रा। चोर तो घ व न जी मा भ ला गा ह तो ० ५९ तो जा का ली र घ अ ल गाडो। का ला नु र ल म जो त स्य दे य। का ला हो व म त्र
पी ह र चा ली यो। बा य नी सु म आ वी त ल धे व। ड र या छे ल ह र र वा म न्या। सर घो र घ को ले त त बे बे। पे व फ ने न म य र घ र
न रू। मे तो ब त मा हे अंजना मे लो को दे व। तो ० ६० तो जा जु ह र का रा इ स चो रे। स हा म र सु अंजना बे अ लो ते र। घ
न बे ग र य जा ला यो। बा य ना सु मन्त्र बा तु ते ये क ड र या अ व ल ह र दा य या। सा र थी र थ को सो त त ने बे। पे व फां ड़ी ने य
प र ल रू। मे तो व न मा हे अंजना मे जा के व ६१ रा त य उ दि न आ य न्या। र य ल आ अ ग री बा रा म ए ग्या नी ति। ला य ने सा य
सु जे न हा। कि म क री दु य त री ना ग सुरा न। ला म ज पु जा ना य तो। इ ला वे जा सु ज र ह आ भार सु भ सां मा य क न्च रे इ
ता मे सुर उ गो बा इ घ ये। घ र ता ल तो ० ६२ अंजना कहे सु ल सुंदरी। ए मा हि रे हो य डु ले च ला रि स ला य। कु डा हि क लं क
च डा वा या। सु व के म दा य उ अ मत त ला ला त। माता नी म न के म सं ग न सी सा इ सी जा इ के म दा भ सी य म। जा ह ल गी के म क
रा ना ग सु दे र। तो ६३ न स म मा ला व ल्या क रे। जि हे लगे नि र स ला न ज ला आ य ति हां लगे स ज न सी रा म णी। ह र य को
ला व मा ज म त ला ला ते। मा ता म नो र थ पु र सी। ला ह तो जा इ मि ल से स भा त जा ह लग सा मी आ वे न सा। ति हां लगे घो र न चा
व जो घा त्र। तो ० ६४ न ग र मा हि से रा य स वा रे। आ गा ने गु ग द ना मा को इ घ। र म मे बाल न म ते वा जा लो। न ग र ता म सु को बे
वे से इ। रा ज वा बो लो के इ का म नी। ना च कि स ली को इ दी मे न हो ल। पा व ल य र जा से व र व री रा ला पे रे यो हु ती वे बा य न
बो ल तो ० ६५ पे ला ए रा य सु णी वा यो। म हा ल मा हे ज र बा न जो रा य। हा थ जु मा ना वे ने न्यो। बो ह र अ व या वे अंजनामा
ता। सो न ला रा य म न ह र खी यो। न ग र सी ए गा रे र ता र ए क। सा ह मी सो क लो य ल यो। आ घो ति ला वा रा य पा सि वा द ने म
घु। तो ० ६६ हिवे का न ना या क व की वा न ली। अंजना सा म रे ने ह वु त है। सा स लि रा य जा मो घ घो। सु र खा मा वो ले हु वो
रे अ चि त। वा य नार्य नि व ला क स्यो। नार म लो ब स कु णो अ ल चा र। म व र व दा व रा य को आ यो। भू प ला य र हि रो मे ल हु व र
तो ६७ पो ली को आ य न नो र स्यो। बा इ ब स ह ने वि ल य व रा य। बा इ सा हि ने ने आ करी। म न मा हे चि ते रे अ व म ला मा य
सु नै र मा रा गा स ह री। स गि र सु ना ग को सु भ न स र। आ प ने प ग हो य मा वे डे। रा णी य र खा द ता ने मा य तु वा र ६८ म ह य
मा हे मा ता र मे सो व न दा रो ह वि ही नो दा। सु म ली घ णी रे का म नी। मा ण को ने ता ले घ री ज डा म हे लो। फु ल न्य फ रा

4

रत्न रतन्न। चंदन प्रसार जर बैचे सुप। आपेकोट नाला करा जो पुजो। आंगरो दाहो दै चीर का लाने वेलने तो
अंजना सुत्र दृमतो। दो हु सुकार घड़ा घड़ा जामसुका नहीं तासु वेसीर। हिवे दाच थयाणा तलैफा दो वे चीर। कालने
वेस सोहे तबा। तबजरा जर जाणे बोता नावीद। सुप जास लाए रे कामना जाएकरीसाद। अंजन बहु वो चंदतो ७०
मिंदर माहे मातागड़। सर लेजा साधु दहाम लाड़ेथार। कु काय न मारजो वाजला। एणीक ने क आलमो मारराक न
नहि। राय ने सुप का मदाम सु। आरणोके रारी ने धुम बुकाय। जेण कीय अजना वयला। माहरा कु ने न लगाइ देव
तो। ७१ तौ जा रुपी सुरू रन सुपी करी। आरवे सुमि जा आलो वे यास। आदर विक ली इलीस्हा सुकारे उला अलनाद
रस सुस रासे मास लेजा नाया। जान बोपी हरसा सुमाले। ने सविगव ला उपना। ने रताहे रातु मदीठा लागि वे यापैसे ७
२। वेस मा जाइ मन जो रे रहलु का य बीलो प्रसार। जो मा हरामा मी रो आवसी सुप हैसा सुतमा नोरे ज जा सु। सय मना
धी ने तय करे। गलेके गर सतणे अजनापास। कामल कु मनी नहीं धरे। सुप रो सा छु मलाती रेजु जास। अंजने प्रत
जा पुरव नी जो सतो ७३। बाल सा वे जाली मुसचर। ताइ ताजा र तयो घरि जाय। ने धवमी रेव सी रेहा। आगणे आवी वे
केहता लीनारि। जावी तो जाइ सार्हि मिला। मन विकु लो तिलि भायवे यारे। आगुलि दरवीदा ताधरे। सासायने दोह कुवा च
रसरम दो ठ। तो ७४। इस अंजना घर २ सीफता। एग क ऊवु राणा काम लम माजेर। पुचेने कालीने का करा। तेणे रानु य
राना घड़े नेह। दान वन न वलि दमजा। नयणा जरे वले तंवु एलम। लुषने त्रीस दो आइ कु जो। साता थने दीहा थ याद नेद
मगे दा तो ७५ वलतो ताजाइ इस कहे। सामी जलारहो वालेवे ने ला। रहया का य के रीम करम को रे। अमे आवल नी
सुका जाये। आगलो आयो जो यावे य रिमहि। अम पर आवी जो लिमें। तो उ मतआवी रनीय कहस्ये हा य तो ७६ मासस
का उसाय दे वमन लो जानाय ति घर जाय। याव मिरतयांन कु फिरे। तिम घरि रही रहे अंजनादेव। नव न सुनव री
जा ज। सजन को लो का न विका रे सार। दो हे दो अंजना आव तो तिणवे आम रो हित पर अ न। भावे नादेय स व दा घ्रो
हे वार। तो ७७ आगणे रमतो कुमार का। मेडा नका २ आव ला लोक। जिहा २ अंजना संचरे। तिहा २ थम जे आ तिघणा।
सागर कुडारे भला जमपरका। चय एा का ते सुलया। नाग के सुके घड नाथर। सुषमा देह मेर सा रहे है। के से कचाय गा
जाणे बिल ढार सार। तो ७८ अजनातार सीर ढ नवले। जन ले इ आवो केम लेगा पा। पवस वा फला रेवा वरे।

वरे। सुरलगे धरम नासक लसु णाएा। सु अभाय कर चरे। हिवे आवि सबै रे जाल च जदानद या गुण वेणा तो ९८
वेलमा सी धुर अष्टमा। सुध नख ने नेवार सी मधा र। यांवे लो फो रबे रे मयुग णा नो। अंज ना जायो वेह णु वो कुमार जो
तो करा सुर ज घर गयो। हिवे सुर गायो सुरक वे जै य २ कार। रषी सा य ज ने सुप लहो। रामने मेव क धरम सा भरतो ९९
सथा घर यू र य छा जायो। ना जर सो ना य पमा ला यो चार। पुत्र यो दा डी रे या पतो। सोल नो वा रु ल ठा मतवीर ना
र व ला है भूपाम नव। माता मा हे मथी करे। य हु चीवात ज नम लोवे व कु णा करे। कटक का यो हे कुमार तसीम तले तो
१०० तौ जा चा दयारां लपुन्म तणी अंजना करे। धरी ले हो वे पुत्र। व च लख यल सुहामयो। आति रला या मणे व कुगुण
वेत हरखे आवो वेरे मा य लु। कुमर तणो वे रलो सु वो रे वरा। तारा ने ला के रेना कुवो। जा ले कर वोह च जी जस का ने लेग
तो १०१ मा ज लो अंजना उमत णी सुर र पाज वे ते हतणु नाम। जो आक री मा लान जा। आ का से रय थ ने ना हा ण ठाम। हवे मा
हे दी इवे नाजिका। अचर ज मा मा ज मो का जा ना र। मा म ाये अंजना उ नवी। न यण वा जुता जाए नसक र तो १०२ तो
जा कोटि ना लगा निबि क्रारहे। एतले मा मो जा आवा उ तल थे वे। आवी लाणे जा आंगो मिल यो। अतिदुष आणे वे अंजना देव
कोटच का रे बुटे न है। वालक ना य रि धरि स वि मास। वो लि रे सार नि भ स र वे। बाइ ह म मा सुरखु लाह राम नलया आस
तो १०३ तौ जा वांद न सुरवा रे वायुना। जाणे आ एदि वांडार हमतास। आरि सेल जला वनगाह। सुरक जा वुसि मन ना गरि आ
स। पुरव बाल कु तमण। ना इकि राण विथयये तार। मामा आय प्यात घले। हिवे कर ग ा न केवा रे कहने लिबा मर तो १०४
वेसा रा का भाने जा स च स्रो। अंजना उठे रे गे हणु वो कुमार। दोला जब माता ना नुमत ला। नंद रेव च ल दीधडे फा ज तोडो
ता ने सुवय सो। नव अंजन मा सुर न त सुअ मसार। मामी जा पुत्र ने लेइ च ला। आलमु को अंजना साया जावार १०५ तो जा
वा ह मा हा ने बेठा करा। सुत्र परा को जु माम ड ला जो य। दे सवि हा धरकु लमा रहवो स बल जन दी को जा कोय। सिघ ना स र य दि
ल ला। कारण पुरव को अनत सो वार। क ल सा जा मा ला बु भ ला। या य र सा मा नि क का वे चु र ले। १०६ हणु वो रे या ट ण मा हे आ
घ यो। ति वारे त ला धार तो रण बांध्या वे वार। जा चक दा ने दे वा उ ला ा ा ा गा पे के व का भो रे सार। सो च न या र वे सा रं भे माहे
पभर वा ये ने ता एा वार। चा नर मि ला पर का सा धो। हणु वो र या या रा हस्यु हे कुमार। तो १०७ अंजना राण स तता र हे

६
अंजनाचौपई
६

हवै पवननै कपीहुतौ वै जाय। अहु करी रावणनै मिल्यौ हिवै आलिबे आ दोनै चाला गोयास। माघसै न्यासी अतिसुंदर
मेघपुरी माहेकुर ज्यो मदिरी। मोटी वरकु कल्याणकजी। सिहानैयाना जैसा वणतणीन्यो एतो॥१०८ कटकुआपो
रैलेकाराणसे सणारावणकी जुहार। बन्तनैबांगरीसामायो। सोस्तलामराराज्ञांघोर सिणगार। मास बेमारराय करी।
मेरलेमाहे अघोरुस्योसाय। जिहा रैलेडावातिवा आलज्यो। बुलेनाटकैसाइविद्याघरसाथ तो॥१०९ कटकुआक
गरजाआवाजो मातयालाले सुतलागो होयाय। जैलेमातालो अलकरी तेलोअंजनाले घरिजाय। सुनाघरतांहदेख्यो
सुनानैताणाकुरलेहैकामसुख वानाकनैसुणा तेठलेपवनजा मीरजीजारव तो॥११० तोमाकहोयामानारैवउवहाना
वानैयवननजाना मोहे वाच। यो मा वलेपुत्रलोजनकरो। केहयेक्रुवैकुंभूरप्रण वांसजाण। भरतासुमुयधौसीरह्यो वा
लनैवास्नैनजाके मायलोम। माताजायौलोरया ह्यर। बहु नाम्बगयो मेहेइलेगाम तो॥१११ माता रोवे सुमढाकनेमेंनो
बात नाचारी नविकाधोरेकोम। दजराणिया नैविभोकुलेपा। विहावेगवकुनरामीकाम। पानामत नारी तणी बात वि
चारी नविकाधोरिकामस कोतमतां करै सुरता। रांकतां हाय घाग वोरेरतनतो॥११२ पवनकहै मोत्रमादरा। सिवेराय
राणीनैकिमकर सुखमाए। मातरोअंजना घर सवा। सासरू किनुगइमाने रोमाम वरसदिवसविरहन्यो। राजा होवरूया
मामुरूवेजुज। वामेरैवेरल मलोहको। तेराजाग जकयाकरसी राजुज तो॥११३ मेत्राकहे सतीनिसैला। अवमुलत्र
यपासराग सैसोले। गुणदेहयल्लमणमारवदे। एहवाहोनारीमेवखंदीकरिकोय। मा तेलेहमिदरजाय सु। आपताय
काकरुवो मुहार। पवनजाजघोरेन्याबोयो। अंजना या हरयमरोयो कार तो॥११४ इमकहै महाणपायो। मैताक
रमकमकमाइनाका धीहेजाणा। हाजीमालोकमाहरा घाव। मा ही नारकेइ नदीरे नार वाया। साकलीकथ्य नवा जीकहे
तीम नम्माहिलिउटर तेरोम। नगरलो ना कोमेवाभयो। केमकरी करम मुखदास जगदीस तो॥११५ पवनजीआणे
आवायां। मोसरजा सासुनेमिरपडाकाल। येवकहै बेहवातसु। उपरेआयावनैकासागइवाल। तसायइसीरत्राफले
जाले बजनरी आमोडेवाण। अंजनानोदुखमालसु। अजीयमुंकोहै माहरैवे प्राणातो॥११६ सम्पमिलाकरासंवसा
सुसरोअमाहनै मामीजाजाय। आतिडुखतणी मेउलोरहै। मनमाहे दोकरामो चविदार। पवनसीसां नाइव आवा को
हिवैकाजैमाखुभलामिलारैनरेस। पवनकहै जायापरहरी। महेंद्र कहै कामोउतरदेसतो॥११७ नगरमाहेयुआ

दधारीया। हवै वकमामरदनतेलचंपेल। नारमानमार अंगो लायो। कोमणो वेठाके वेजणाहैल। विवधायक वांम
परूसीया। हिवै वेयालतुराकरीमुकाहेयाह। पवनजीहाय माचकाणो रहै हिदिस जीएहे अंजना वाट तो॥११८ अं
जनाजनमरिबे रूको। सुलजासोलेवो भमलीयाय। वसत मालन हिदेखाये। सेहनेसुख किमरहिल रेजययसु
नैयडैघाटणा। मासोमाहे अजमाइभकरैबात। अंजना सासुएपरीसवा। याहर आवाकीधीन्प मांनलो॥११९
मालेनलमसुतनानडी। लेहडतकारंगमै मारयो वात। कहेताहराबाइसुंकरे। तिवारैरूदनकरी बोलततकाल। माया
चीतानेबधवहलोयाम्यो। कोधे करमचंभा। आगलेनरायश्रीअघडा। कमकेसुणनिकही तातकाल॥१२०
तेबालकवचनसुणाकरी। मायायालिलपरी नाप्युलेघाल। सिहेडराजा भ्रमयारपडे। परूसाकुहैतुलाकरमजलोन
उडीभूममीसुवसास्या। सुखकैजवतनमाजायेमोने। मासरवेउआथायडे। उमेसुवदाकश्रमलागेजोमा तो॥१२१ व
नमाहेकेमरन्तातिवालवले। हिवैकहागइदानदमासलावेवे। कहागइ भ्रमनाभुसरी। कहागइसीलमतीतणा
बेले। त्रावो निमार गायमरस्यो। जामाजोतुअमतणो मरूप। कह मथ्याकु मलेहोत्राबाया। एमहारहैदनकरैघायु
सुपतो॥१२२ महेंद्र राजाजाहा आवीया॥ बरिपहितलआकोढेयहिलादि आलानैयवनबादेधमयो। कायरेका
पेरुसुकेवेलाज। नवसतवासीरकोनरा। हिवैपदेविस्तुरना आवहे माव। राजा हो बारू एरिलजम्पुअदिड
वकरतांउवडुसैलेसाय तो॥१२३ अमनेकवचनेविलवायो। आमजोहीउराय किरेअसवार। केइनर अनेकया
जाकिरे। वडावाव होदसमने असवार। एसताहमेसेतेजघावे। नहीनरजोलतजुनतकाल। देस विदेस होमोजतनम
जमाउमरमाव सुमालवो॥१२४ आगलयो पवनजाचालाओ। पुडयको सकुआवे मेमाहर। आवतो सहाघरउ
नवे। एसहुमामनी उमतगिमाथ। अंजनाश्रीनामाकैघडा। वोलेवेसार वेदेसुबोकुमार। हिणरकपुत्रसामाजोये
यिएए कजोविचेअंजनानार। पवबजे आ एदपसान। नाइएहवाले सुखगविदेमेमारतो॥१२५ वसंतमालाआ
वीनमी लफलेपानाने जाघाहाद्वार। कयो दुखवागेकिमसाम्या। किमकरीगमडाभाहरी माय। नामारकामकरा
वनफल वीणाया। कीमकरप्रपरहतरहीनीरभार। अंजनापुत्र कामपालाठे। कहो किमकरानिगामीकाल॥१२६

ई ७
अंज [illegible]
ई ७

आरे सामी मै नागया। तिवारै मासरै पाचरै अमदी भेखे छेत। तावा रेनु ठा अमै वनागया। वनफल लायी अमै रायविदेह
वनमांहेमुनिवर रसे दीया। देवलाकोडी वे अतियासार। रातदिवसमर सम्भावता। अंजना गुणतणो नविलडु जापार
तो॰ १२७। अनमय गाडो दोवे मतयो। वेकुसवा बोलेव मुधरा जोजाए। कामकरनाला मे वैरीनाबाए। बंधो वेरदुध
किमजोड़ को। सामरै सोहसमर हा घुलाधान। जुजकर वै अमै जवस्या। अतिसुयसुलट अंगनमायतो॰ १२८ तवजीरै
नासामीरे संचरा। जइकरी सुस सुतलोयाय। वकु विगोइरे सुकरा। सुमारीने आये कासु तरि। सुनेहदिनक दोकेना
हैरामायमे सोमै [illegible] चेदावीसो। ही वे मासु नाथाय पुजो छे सोय। कांघो सेक रमउ अमतलो कीयतो॰ १२९ मात
पिता जावेकु मिलवा [illegible] लाई अतमाणो मेहु। पीतरी यामुख हाकार को। वसनपाला करीनरथवे देह। चचेलासवला
रैसाहामिलना। मासरी मनमांहे किम करो लाज। करमे माहरै कुतावनताह। हरख वदन पई बोला सकु आजते
१३० हणु वो रैमारणा पकासंचरम्। अंजना ने [illegible] तचा आपा। मा मोजी [illegible] मोह चावता। रतनपुरी लगी
वाटसाथ। सा मासी पर जाही परवरा। हवे लेयव रावो या नतभोगासु। पवन जापाव वसा रीय। राजा लखी नेक तपवन
जाय तो॰ १३१ कुमरजी पाट बेसारीया। अजना रालो वेडा मरथय। तल मे तऊ मरविद्यासतो। वानरा विद्याहोयामी
सुचंगा। वाजाविद्या अतल कुरसो। देम वादेम नांधी वे विकोह। इणपर उखनरीसीग वे। वसतमाला नेपुकी करे वातते
॰ १३२ मोजी वरूपनकेसरी जयसुं। वरूणवेढो वे गवरा वेदे यात। पुत्रमो दमरे आपला परतणा से माने मो वेरचात
लेका नवी जाणमो कला। मो ता सैरे जुजक्का स्या तलो तान। [illegible] रे सुहड सुमोका वे। एकारसु मुमतो वोरे आवे तो॰ १३३
रावणसेन्या रोमे लाचणा। हवे तेडे मो कमे पवनजे राय। हण मे नकहे असे चालन्मे। तातकहे नाहरा सेरे [illegible]
जपुवारे वेडा। अजना सन [illegible] मो। मन मा हे [illegible] मनो अते [illegible] राज। राजा आदेतारी वारहे। कुमर माहेराम
या वरूणने मान तो॰ १३४ तो आ हणुमंत सङ्कका रा चाला यो। [illegible] म हे ड्रबरी बाड कमैरे मनाला। त्रिणगिरह
रहलो आकला। तवे वंधमनु को भले माय ने ता त। वा मेजात जानविदह से जाठाम। तो॰ १३५ तो जा हणुमंत चलावी
हेले कातलण। मांहे मोरे आमो हे रावलायो ले। जाला वाडुने याका वल्या मिघपुरी कु बोहा लकेरोल। चालेदो वाणबाधी ७

वव्या। धनषदा मो तोह कुहरलो कार। सबल सेन्या लागा गाढे। आगले उलाठे हणुवो कुमार। तो॰ ३६ मालथ
त्रेहइहाल तमन लए। वघ्य नेत्र लखी मलणा तान डा। वालजी मुख आ नेरेवालरूणने। पसोदि नेमु देरे तमताणो काल
वालि ते हनोमित्र वोलायो। वंधव सो मिला आवीने साथ। बोले हाकु मनवि यामी देजो किम रिणमाहे
कावरो हाथ। तो॰ १३७। तो जीवानरी वाया साभै करी। मानरह पकाभे ने तीणवार। हाकाकरी दलहड बडे
जोदरण वार वार जे बेबड कार। थापे हो सेन्या जीपर हरे। वुमरन मुले नेमुके घायामुवे के [illegible]
एकडा बुलै कुत्रमो वाधनीय्या रिणमाहि १३८। वरुण राजाति हाथ्याहायो। रात्राने हणमंत दाभ [illegible]
या कोनरी वाद्याम लोकरी। दिवे सुलगो रूपरचो रणमाहि। काय नवो क्फरवावरा। लगलगो वाधमुके
तेरो लाल। वारूण राजा वामा मोया। एवाल कदी सहे सु जनाजाल तो॰ १३९ तेजी रघकारजाउलखा
आवानेहनमतदाडो छे वाघ वे। शीणावालिले करणुहा। मेठ नापरे सारे वाजेवे हाय। वम रस्वे पहास्या
जवे केडघाव्यावो तिसे रावण भाम। आवीने हणुमंत उपर कहो। वरूण ने बंधीजो नारघ्य मोहि तो॰ १४०
तो जोवे धणको हारा जाव। रूपना। आवी ने रानकरीरे जुहार। चलतो वरूण [illegible] रायवोलो वो
माहरे सास नावु जय दीस। मतुमले वाहो चालो यो। आमणा भर मुलरा कल आज। सेनाएवरुण [illegible]
पालम्रो तेह मो पुत्र वे साधोपार्इ तो॰ १४१ रावणहल मे तजसनो यो। सुर पलेना हरा लघु वार वेसमे
होरे रावे ओण मना वाला। जाके मदेवीने वा स्योरिय साय। करण के रूप आपणा पणा। नाहेरे आवायो अ
ला परहेस। दीधो छे सारो जी आप पाय रणवे पद भला आवाउ देस तो॰ १४२ तो जावलाग्य रणी विद्युभरी
हसक ना ने वरी हण मंत। बेसा पर ए छे तारा तणी। तेआय उपरे अत घणा प्रीत। सुसरा ने घर कारखापडु
माहो माहे उपनो अति घणो धर्म। सुग्रीव हणमंते तरोमनो। एक घा जात मेरा माय यण माहि तो॰ १४३ पवने
जै प्रथवारे सेना बाहे मा वि हासलो सिर धरै बात। हणमंत कुमर वेदाय नेतेतरण दुरजा दुरला मात। प
र जासकु सुम लागवो। मायप ले कसभर मना वात। ताचक रोने देवा निते रूप टि कनरचले हामो रणपरे

7

८
ऽश्रीजलगालचे
८

पवनजैसोगवैपार तो॥१४४॥ मृगमदचंदनमांहिमहासुगंध। सुरासुरचरहैवै अंग। नितरनातिकनीरथ तो॥ फुलनैवानतोचोलनीरंग। सहसवकुअरसेवाकरै। पूजइहा सागरैतोग। अजनामननेमांहेचितवै धनरजेजानसारवहैजोग ता॥१४५॥ पावैसोपहारवैरपहानी। धरमचितासेरेअजनादेव। चारन्सन मांहेचितवै। पवनजियाछलागेततवैव। जनमभरणदुष दोहिजै। रोगवाजोग संसारकलेक। चियघना सुमपुराकुंता। सासरो मांमाकुंसजमलैसता॥१४६॥ पवनआनारनेउतरदीया। अजाग्यमाल मलनूनि उ सेनमलेजा देकेंदे अशुभ। सावसरसा अमे आवस्या। नदिदानदेवानपा काजेहैाकाज। अंजनाछइरतन वता। विहुंमकरिकदावाकोजेमराणेकालतो॥१४७॥ पवनजनेराअरेताया। सरारसंवैगानेगाव्येवयु राग। हणमताकुंमरतेडाटो। तेरनेराव उपरघणोराग। मवानावेरराणरूधीफरी। अंजनाउपरेअतघणे मोहै। मातपातारेहायछेधरे पुत्रनवंके। मातातसयोमोहतो॥१४८॥ मासेककदावारेसंवस्या। अंजनामयप मावतासोध। वेहजाजेमाकरामंवस्या। भमसमतेवदेवुनविवेय। राययमांवानमांमाहेगया। तपकरापम स्मभावपुरीछाम। अंजेमापुरवापेवैगास। नसंतमूलासाधइतामतो॥१४९॥ कानमांजेनजेवयरतसीना गनिगोदरनवसरवार। कतुहणभटमेयजो। वावानचंदनसरवसिणगार। पगतसीपामलमरहरी। जहि नीबाहियरहरीजोतु। मस्तकेलोवकराचालोमा। करमतगुहिकतोडेदेकोडेतो॥१५०॥ मासमभरणकरेथा रणमतारमोसेसुरातपकरेजाम। मीतसामतानी। अतिसहजेकतानावजा। मिरपछैतमअसतदीमभवेज जुवा। साममतजावतपाघृतपाल। मासनेजैदीमुक्तेगमा। जाजेरभवरमदासेनसानाजतो॥१५१॥ रेमवि घाधरउयनामाव। नोमहोनवनिधसंमजे। एहहनेनामजपेसलेवइव जायतो॥१५२॥ सिवेत्रअवरसुजन्द रीसासुरा। प्राणमाणआमेवै अजनामाय। आरदोसरणजितेमनमांहि। नरिसोलिगवेदोकरी। अंगाल मानस्यैपुरेवनोनेस। तिलवेसेमुगनतेजायता। इमकहेगुणभाजपदेसमालतो॥१५३॥ इतिश्री रा ...जलमा ... १०... मअंजनासुंदरीनो रास... संपूर्ण ...
...जोधपुरमध्ये। संवत १८०० वरसे मति कात्तिसुदि ११ सामवार लिषतं ... प्रताप ... वेडा... काजी ...मोदै

८